Need to ensure safety and security of Scavengers in their workplace

श्री सुदामा प्रसाद **(**आरा**) :** सभापति महोदय, पिछले पांच वर्षों में 419 सफाईकर्मियों की मौत सीवर और सैप्टिक टैंकों में हो चुकी है । 16 मार्च, 2025 को दिल्ली जल बोर्ड ने नई फ्रेंड्स कॉलोनी में तीन व्यक्तियों को मेन हॉल में उतरने के लिए मजबूर किया गया, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई और अन्य दो व्यक्ति जीवन और मौत के बीच झूल रहे हैं । यह हाल देश की राजधानी दिल्ली में है । देश की संसद से ही कुछ किलोमीटर दूर लोग गटर में मारे जा रहे हैं और सरकार विकसित भारत के बैनर लगा रही है, उस पर पैसे खर्च कर रही है ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति**:** आपकी क्या मांग है?

? (व्यवधान)

श्री सुदामा प्रसाद **:** महोदय, तुरंत इन मौतों को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए । सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए । देश में बुनियादी ढांचे, विज्ञान और तकनीक का इतना तीव्र विकास होने के बावजूद, अभी भी देश के कई राज्यों में शुष्क शौचालय प्रणाली मौजूद है और महिलाओं को माथे पर, ?(व्यवधान) इन शौचालयों की सफाई के लिए मजबूर किया जा रहा है ।

अत: लोकहित में सफाई कर्मियों की मौतों पर रोक लगाने, मृत सफाई कर्मियों के परिजनों को सरकारी नौकरी व 25 लाख रुपए मुआवजा देने, सफाई के दौरान सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने तथा उनको गरिमामय जीवन प्रदान करने हेतु सरकार से मांग करता हूं ।